रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101

401 (IZY)

2024

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हिन्दी में काव्य पद्य और कविता प्रायः पर्यायवाची शब्दों के रूप में प्रयुक्त होते हैं। परन्तु इनमें थोड़ा भेद है। काव्य शब्द संस्कृत भाषा का शब्द है। इसके दो भेद हैं- पद्य काव्य और गद्य काव्य। पद्य का अर्थ छन्दोबद्ध रचना से होता है। पद्य से कविता इस अर्थ में भिन्न है कि कविता छन्दोबद्ध भी हो सकती है और छन्द रहित भी। प्रत्येक पद्य रचना कविता होती है परन्तु कविता पद्य हो यह आवश्यक नहीं।

संस्कृत में कविता को श्रव्य काव्य कहा जाता है। इस श्रव्य काव्य के स्वरूप के बारे में संस्कृत के आचार्यों में मतभेद है। जहाँ तक काव्य के शरीर की बात है, सभी आचार्य शब्द और अर्थ को इसका शरीर मानते हैं, परन्तु उसकी आत्मा के विषय में मतभेद है। कुछ विद्वान ध्वनि को, तो कुछ अन्य विद्वान रीति, वक्रोक्ति आदि को काव्य की आत्मा मानते हैं। आचार्य विश्वनाथ रसात्मक वाक्य को काव्य की आत्मा तो पंडितराज जगन्नाथ रमणीयार्थ प्रतिपादक शब्द को काव्य की आत्मा कहते हैं।

हिन्दी के विद्वानों द्वारा दी गई कविता की परिभाषाएँ हिन्दी कविता के स्वरूप को स्पष्ट करती हैं। इनमें न छन्द की बात कही गई है न अलंकार की और न किसी अन्य तत्व की। इनमें केवल एक बात पर बल दिया गया है और वह है- सौन्दर्यानुभूति, रसानुभूति अथवा रागात्मकता। इस प्रकार राग ही कविता का मुख्य लक्षण है। किसी भी जाति के साहित्य का मुख्य भाग उसका काव्य साहित्य ही होता है। हमारा धर्म और दर्शन तो प्रायः काव्य के रूप में ही प्रयुक्त है। कविता सीधे-हृदय पर चोट करती है। कहते हैं जो शक्ति तलवार में नहीं, वह साहित्य में होती है।

(क) पद्य और कविता का अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) संस्कृत के आचार्यों के अनुसार काव्य की आत्मा क्या है? 2

(ग) कविता के मुख्य गुण क्या हैं? 2

Download from www.cclchapter.com

(घ) संस्कृत में कविता को क्या कहा जाता है? 1

(ङ) काव्य का शरीर किसे कहा गया है? 1

(च) किसी भी जाति के साहित्य का मुख्य भाग क्या होता है? 1

(छ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की भूमिका

(ख) स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य

(ग) जीवन में खेलों का महत्व

(घ) विश्वशान्ति के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

3. निम्नलिखित प्रश्नखण्डों के सही उत्तर-विकल्प अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए- 1×5=5

(क) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?

(i) आपराधिक समाचारों को उजागर करना।

(ii) निराधार समाचारों को महत्व देना।

(iii) सामान्य समाचार को अतिरंजित करना।

(ख) घटनास्थल से सीधे प्रसारण को क्या कहते हैं?

(i) रिकार्डिंग

(ii) लाइव टेलीकास्ट

(iii) ब्रेकिंग न्यूज

(ग) 'हिन्दी पत्रकारिता दिवस' कब मनाया जाता है?

(i) 30 जनवरी

(ii) 30 मई

(iii) 14 सितम्बर

(घ) रेडियो किस प्रकार का संचार माध्यम है?

(i) श्रव्य-दृश्य माध्यम

(ii) दृश्य माध्यम

(iii) श्रव्य माध्यम

(ङ) 'सरस्वती' मासिक पत्रिका के सम्पादक थे-

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) सोहन लाल द्विवेदी

Download from www.cclchapter.com

4. 'नई शिक्षा नीति में मातृभाषा का महत्व' विषय पर लगभग 150 शब्दों का एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

'हर घर नल' योजना के परिप्रेक्ष्य में अपने ग्राम अथवा मोहल्ले में पेयजल की स्थिति पर लगभग 150 शब्दों में अपने जन-प्रतिनिधि के नाम एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना-बना कितने जग रोज मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता!
मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

(क) कवि के जीवन का संसार से किस प्रकार का नाता है? 2

(ख) 'रोदन में राग' और 'शीतल वाणी में आग' लिए फिरने में कवि के भाव को स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

(ii) छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव - पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

(क) चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या भाव निहित है? 2

(ख) इस कविता के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' क्या प्रतिपादित करते हैं? 2

(ग) उपर्युक्त काव्यांश के रचनाकार का नाम बताइए। 1

Download from www.cclchapter.com

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसका भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए - 2

तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत।
अस कहि आयसु पाइ पद बंदि चलेउ हनुमंत।।
भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवनकुमार।।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता के माध्यम से कवि समाज को क्या संदेश देना चाहता है?

(ख) 'सबसे तेज बौछारें गयी भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किन्तु कभी-कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है' कैसे? स्पष्ट करिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये वाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आपमें सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था।

(क) शिरीष तरु की तुलना अवधूत से करना कहाँ तक उचित है?

(ख) शिरीष की क्या विशेषता है?

(ग) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक व पाठ का नाम लिखिए।

(ii) यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है, कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के सम्बन्ध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है, कि जाति-प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है।

(क) 'जातिवाद' की बुराइओं को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(ख) 'कार्य-कुशलता' से जातिवाद का क्या संबंध है?

(ग) उपर्युक्त गद्यांश पाठ्यपुस्तक के किस पाठ से लिया गया है? उस पाठ के लेखक का नाम भी बताइए।

Download from www.cclchapter.com

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई?

(ख) बाजार के जादू का आम आदमी के जीवन पर क्या असर पड़ता है?

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में नदियों का महत्व बताइए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1×3=3

(क) यशोधर बाबू अपने पुराने विचारों के कारण कहाँ तक सहानुभूति के पात्र हैं? पठित पाठ के आधार पर अपनी बात संक्षेप में लिखिए।

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का सार-संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न किन्तु आडम्बर विहीन थी' इस कथन को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(घ) स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ? 'जूझ' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

11. 'जूझ' निम्न मध्यम वर्गीय किसान-मजदूरों के संघर्ष की अनूठी झाँकी है। इस कथन को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

'सिन्धु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा, शिक्षायाः प्रसिद्धे केन्द्रे प्रयागनगरे सम्पन्ना अभवत्। प्रयागनगरे सः श्रेष्ठराजनीतिज्ञानां सम्पर्के आगच्छत्। ततः एव तस्य राजनीतिकं जीवनम् आरब्धम्। विधि शिक्षायाः अध्ययनानन्ते सः अधिवक्तृरूपेण जीविकोपार्जनम् आरब्धवान्।

(क) पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा कुत्रसम्पन्ना अभवत्?

(ख) प्रयागनगरे सः केषां सम्पर्के आगच्छत्?

(ग) तस्य राजनैतिकं जीवनं कुतः आरब्धम्?

(घ) सः अधिवक्तृरूपेण जीवकोपार्जनम् कदा आरब्धवान्?

Download from www.cclchapter.com

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3

(अधोलिखित श्लोक को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रे ! रे ! चातक सावधानमनसा मित्र ! क्षणं श्रूयताम्
अम्बोदाः बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः ।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।।

(क) कविः कं संबोधयति?

(ख) अम्बोदाः कुत्र सन्ति?

(ग) वृथा के गर्जन्ति?

(घ) अम्बोदाः वृष्टिभिकिम् कुर्वन्ति?

14. निम्नलिखितेभ्यः प्रश्नेभ्यः केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×4=8

(निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल **चार** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) मधुरप्रियः कः अस्ति?

(ख) अनुजः किं करोति स्म?

(ग) वार्षिकोत्सवे के कार्यक्रमाः भविष्यन्ति?

(घ) का वृक्षं वेष्टयते?

(ङ) केषाम् अचैतन्यं न विद्यते?

(च) गान्धारी कस्य माता आसीत?

15. निम्नलिखित शब्दसूचीतः **त्रीन्** शब्दान् चित्वा तेषां वाक्यप्रयोगं संस्कृतभाषायां कुरुत- 1×3=3

(निम्नलिखित शब्दों में से **तीन** शब्दों को चुनकर उनका संस्कृत में वाक्य-प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची - पादपाः, न्यायालयः, मांससेवनम्, गर्जन्ति, कनिष्ठः, गीतम्

16. अधोलिखितान् प्रश्नान् यथानिर्देशम् उत्तरत- ½×6=3

(निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) 'कृषकः हलेन क्षेत्रं कर्षति' अत्र हलेन पदे कारकः अस्ति-

('कृषकः हलेन क्षेत्रं कर्षति', यहाँ हलेन पद में कारक है-)

(i) कर्म कारक

(ii) करण कारक

(iii) सम्प्रदान कारक

Download from www.cclchapter.com

(ख) 'यथास्थान' शब्दे कः समासः अस्ति-
('यथास्थान' शब्द में कौन सा समास है-)
(i) कर्मधारयः
(ii) अव्ययीभाव
(iii) द्विगुः

(ग) 'लभ्' धातोः लट् लकार- उत्तम पुरुष - बहुवचने रूपं भवति -
('लभ्' धातु का लट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन में रूप है-)
(i) लभते
(ii) लभे
(iii) लभामहे

(घ) 'जगत्' शब्दस्य सप्तमी विभक्ति एकवचने रूपं अस्ति-
('जगत्' शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप है-)
(i) जगत्
(ii) जगति
(iii) जगती

(ङ) 'रामश्चलति' पदे सन्धि विच्छेदः अस्ति -
('रामश्चलति' पद में सन्धि विच्छेद है-)
(i) राम + चलति
(ii) रामे + चलति
(iii) रामस् + चलति

(च) 'कः+अपि' इति विग्रहे सन्धिः अस्ति -
('कः+अपि' इस विग्रह में संधि है-)
(i) कोऽपि
(ii) कापि
(iii) केऽपि

17. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं विहाय कमपि एकं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा तस्य हिन्दीभाषायां अनुवादं कुरुत। 2×2=4
(इस प्रश्न-पत्र में आए हुए श्लोक से अतिरिक्त कोई एक कण्ठस्थ श्लोक लिखकर उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

*****

Download from www.cclchapter.com